He Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 357]

नई विल्ली, संगलवार, जुन 20, 1995/क्येड्ड 30, 1917

No. 357]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 20, 1995/JYAISTHA 30, 1917

_ ____________

वित्त मंत्रालय

(ग्राधिक कार्य विभाग)

ग्रधिम्चना

नई दिल्ली, 12 जून, 1995

का.चा. 557(म्र).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का-निर्माण स्रीर्धानयम, 1906 (1906 का ४) की धारा 6 हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह स्रवधारित करती है कि-

(क) 'स्त्राद्य एवं कृषि संगठन की 50वी ब्राजिद्की (1945-1095)'' के ग्राप्तर को स्मरणोत्मव के रूप में मनाये जाने के लिये केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन जाती किये जाने के लिये पांच रुपये श्रीकत मुख्य के निक्के भी टकसालों में ढाले जायेंगे। (ख्रा) उपरोक्त ग्रंकित मृत्य के सियक निम्नतिखित विमा, डिजाइन श्रोर हरकरा के श्रन्य होंगे, श्रर्थात् —

पांच रुपये

वृत्ताकार सुरक्षा किनारा । 100 । सहित 23 मिलीसीटर तांबा—75 प्रतिणत निकल—25 प्रतिशत से युक्त ताम्र निकल फरविष्ट सिश्रधात

डिजाइन :

मुख्यभागः सिक्के के इस भाग पर श्रमोक स्तंभ का सिंह गीर्ष मध्य में होगा, १०सके नीचे हिन्दी में "सत्यमेव जयते" सारवाक्य श्रंकित होगा, बाई श्रीए अस्पूर्व परिधि के पार्ण्य में हिन्दी में "भारत" शब्द और दाई और उपरी परिधि के पार्ण्य में अंग्रेजी में "India" शब्द श्रंकित होगा। इस पर अन्तर्राष्ट्रीय कंग्रें ने श्रक्ति मृत्य "5" होगा, बाई श्रोर निचली परिधि के पार्ण्य में हिन्दी के "अस्पे" शब्द श्रीर दाई श्रोर निचली परिधि के पार्ण्य में अंग्रेजी में " Rupes." शब्द होगा।

पुष्ठ भाग : सिक्के के इस भाग पर बाए, हाथ में, पकड़े हुए ग्रनाज की बारिएमें के गुल्के होंगे और उसी हाथ के पीछे की भीर एफ.ए.ग्री. का अलोक विज्ञान होगा, उसकी उपरी परिधि के पार्थ्व में हिन्दी में "आउ एवं कृपि संगठन" शब्द और निचली परिधि के पार्थ्व में श्राप्ती में Agriculture Organisations शब्द होंगे। हास के पीव भन्तर्राष्ट्रीय श्रेकों में वर्ष "1945-1995" द्याल किया जायेगा।

सुरक्षा किनारा: सिक्षके के किनार को इंदानेदार या लंब रेखाकन योर सुरक्षा किनारा सिहत गड़ारीदार किया जायोगा। किनारे के मध्य खाली स्थान हारों पृथक किये गये इसके दो खण्डों के भीतर एक डिजाइन गमिन अथला झाड़ होगा। इस डिजाइन में उभरी हुई बिन्दुओं की शृंखता हागी यौर प्रायेक बिन्दु के प्राचात् उभरी हुई एक झानत रेखा होगी। उसमें 30 रेखाए और 30 गोले होंगे।

[मं. 1/14/94-मियका-∏(?)] एम पी. सिंह, खबर अंतिक

MINISTRY OF FINANCE NOTIFICATION

New Delhi, 12th June, 1995

S.O.557(E).—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Collage Act. 1906, (3 of 1906), the Central Government determines that:—

- (a) The Coins of the denomination of Five Rupees shall also be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government to commemorate the occasion of "50th Anniversary of Food and Agriculture Organization (1945-1995)".
 - (b) The coins of the above denomination shall conform to the following dimension, design and composition, namely:—

Denomination of the	e Shape and size	No, of serra- tions	Metal compo- sition
(1)	(2)	(3)	(4)
Five Rupees	Circular 23 Millimeters with security edge	100	Cupro Nicket Alloy containing Copper-75 persont Nickel-25 persont

Design: —

OBVERSE:

This face of the coin shall bear the Lion Capital of Ashoka pillar in the centre with legend "महबनेब नवते" in Hindi inscribed below. Banked on the left upper periphery with the word "महबने" in Hindi and on the right upper periphery with the word "INDIA" in English. It shall also bear the denormational value "5" in International Numerals flanked on the left lower periphery with the word "चपने" in Hindi and on the right lower periphery with the word "Rupees" in English.

REVERSE :

This face of the coin shall bear the bunches of corn catch in the left hand and symbol of FAO shown on back side of the same hand flanked on the apper periphery with words ''खाब एवं कृषि संगठन'' in Hindi and on the

lower 'periphery with the words "FOOD AND AGRICULTURE ORGANI-SATION" in English. The year "1945—1995" shall be shown below the hand in international numerals.

SECURITY EDGING:

The edge of the coin shall be milled with a scratted or up right milling and security edge. In the centre of the edge there shall be a shallow groove with a design inside the two sections separated by blank space. This design shall consist of chain of beads in relief and each bead being followed by one inclined line in relief. There shall be total 30 lines and 30 balls.

[No. 4/94-Com-II(2)] M.P. SINGH Under Secy.